aglasem.com

FOR UP CLASS 11 PREPARATION

UP Board Class 11 Syllabus 2027 Manovigyan

EXAM	YEAR	TYPE
UP Class 11	2027	Syllabus

शैक्षिक सत्र–2026–27

विषय–मनोविज्ञान

कक्षा–11

100 अंकों का एक प्रश्न पत्र होगा जिसकी अवधि 3 घण्टे 15 मिनट होगी न्यूनतम उत्तीर्णांक 33 अंकों का होगा।

इकाई–1

अध्याय–1 मनोविज्ञान क्या है? **10 अंक**

परिचय– मनोविज्ञान क्या है? मनोविज्ञान एक विद्याशाखा के रूप में, मनोविज्ञान एक प्राकृतिक विज्ञान के रूप में, मनोविज्ञान एक सामाजिक विज्ञान के रूप में, मन एवं व्यवहार की समझ, मनोविज्ञान विद्याशाखा की प्रसिद्ध धारणाएँ , मनोविज्ञान का विकास, आधुनिक मनोविज्ञान के विकास में कुछ रोचक घटनाएँ, भारत में मनोविज्ञान का विकास, मनोविज्ञान की शाखाएं, मनोविज्ञान एवं अन्य विद्या शाखाएँ, दैनंदिन जीवन में मनोविज्ञान।

अध्याय–2 मनोविज्ञान में जाँच विधियाँ **12 अंक**

परिचय, मनोवैज्ञानिक जाँच के लक्ष्य, मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के चरण, अनुसंधान के वैकल्पिक प्रतिमान, मनोवैज्ञानिक प्रदत्त का स्वरूप, मनोविज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण विधियाँः प्रेक्षण विधि, प्रयोग का एक उदाहरण, प्रायोगिक विधि, सहसम्बन्धात्मक अनुसंधान, सर्वेक्षण अनुसंधान, सर्वेक्षण विधि का उदाहरण, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, व्यक्ति अध्ययन, प्रदत्त विश्लेषण परिमाणात्मक विधि, गुणात्मक विधि, मनोवैज्ञानिक जाँच की सीमाएँ नैतिक मुद्दे।

इकाई–2

अध्याय–3 मानव विकास **15 अंक**

परिचय, विकास का अर्थ, विकास का जीवनपर्यन्त परिप्रेक्ष्य, संवृद्धि, विकास, परिपक्वता तथा क्रम विकास, विकास को प्रभावित करने वाले कारक, विकास का संदर्भ, विकासात्मक अवस्थाओं की समग्र दृष्टिः प्रसवपूर्व अवस्था, शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था की चुनौतियाँ, प्रौढ़ावस्था एवं वृद्धावस्था।

अध्याय–4 संवेदी, अवधानिक एवं प्रात्यक्षिक प्रक्रियाएँ **13 अंक**

परिचय, जगत का ज्ञान, उद्दीपक का स्वरूप एवं विविधता, संवेदन प्रकारताओं का संक्षिप्त परिचय, अवधानिक प्रक्रियाएँः चयनात्मक अवधान विभक्त अवधान, संधृत अवधान, अवधान विस्तृति, अवधान न्यूनता अतिक्रिया विकार, प्रात्यक्षिक प्रक्रियाएं, प्रत्यक्षण के प्रक्रमण उपागम, प्रत्यक्षणकर्ता, प्रात्यक्षिक संगठन के सिद्धान्त, स्थान, गहनता तथा दूरी प्रत्यक्षण, एकनेत्री तथा द्विनेत्री संकेत, प्रात्यक्षिक स्थैर्य, भ्रम, प्रत्यक्षण पर सांस्कृतिक–सामाजिक प्रभाव।

इकाई–3

अध्याय–5 अधिगम **15 अंक**

परिचय, अधिगम का स्वरूप, अधिगम के प्रतिमान, प्राचीन अनुबधन तथा इसके निर्धारक, क्रियाप्रसूत/नैमित्तिक अनुबंधन, क्रियाप्रसूत अनुबंधन के निर्धारक, प्राचीन तथा क्रियाप्रसूत अनुबंधनः भिन्नताएं, प्रमुख अधिगम प्रक्रियाएँ, अधिगत असहायपन, प्रेक्षणात्मक अधिगम, संज्ञानात्मक अधिगम, वाचिक अधिगम, कौशल अधिगम, अधिगम को सुगम बनाने वाले कारक, अधिगम अशक्तताएँ।

अध्याय–6 मानव स्मृति **12 अंक**

परिचय, स्मृति का स्वरूप, सूचना प्रक्रमण उपागम, अवस्था मॉडल, स्मृति तंत्रः संवेदी, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक स्मृतियाँ, कार्यकारी स्मृति, प्रक्रमण स्तर, दीर्घकालिक स्मृति के प्रकारः घोषणात्मक, प्रक्रियामूलक, घटनापरक एवं आर्थी, दीर्घकालिक स्मृति वर्गीकरण, स्मृति मापन की विधियाँ, विस्मरण के स्वरूप एवं कारणः चिन्ह, ह्रास, अवरोध एवं पुनरुद्धार की असफलता के कारण, विस्मरण, दमित स्मृतियाँ, स्मृति वृद्धिः प्रतिमाओं के उपयोग से स्मृति सहायक संकेत, संगठन के उपयोग से स्मृति सहायक संकेत।

इकाई–4

अध्याय–7 चिंतन **08 अंक**

परिचय, चिंतन का स्वरूप, चिंतन का आधारभूत तत्व, संस्कृति एवं चिंतन, चिंतन की प्रक्रिया, समस्या समाधान, तर्कना, निर्णयन, सर्जनात्मक चिंतन का स्वरूप एवं प्रक्रिया, पार्श्विक चिंतन, सर्जनात्मक चिंतन के उपाय, विचार एवं भाषा, भाषा एवं भाषा के उपयोग का विकास, द्विभाषिकता एवं बहुभाषिता।

अध्याय–8 अभिप्रेरणा एवं संवेग **15 अंक**

परिचय, अभिप्रेरणा का स्वरूप, अभिप्रेरकों के प्रकारः जैविक अभिप्रेरक, मनोसामाजिक अभिप्रेरक, मैस्लो का आवश्यकता पदानुक्रम, संवेगों का स्वरूप, संवेगों की अभिव्यक्ति, संस्कृति एवं संवेगात्मक अभिव्यक्ति, संस्कृति एवं संवेगों का नामकरण, निषेधात्मक संवेगों का प्रबंधन, अभिघातज उत्तर दबाव विकार, परीक्षा दुश्चिंता का प्रबंधन, विध्यात्मक संवेगों में वृद्धि।

उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित है–

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) जुलाई द्वितीय सप्ताह 20 अंक
(10 अंक ग्रीष्मावकाश गृहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)

(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) अगस्त अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) नवम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) दिसम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

नोट– उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।